Appendix-4

परिशिष्ट-४ पादटिप्पण

पर्व-प्रथम : जैनधर्म एवं भ.महावीरकी परम्परामें श्री आत्मानंदजीम.का स्थान

मगलाचरण श्लोक 'श्री भगवती सूत्र' - श्री अभयदेव सूरि म कृत टीका

१ लब्धि प्रश्न - सपादक श्री वारिषेण सूरि म सा पृ ११

२ 'शब्द चिंतामणी' - संपादक श्री सवाइलाल वि छोटालाल वोरा पृ १३२९

३ अभिधान चिंतामणी - ले श्री हेमचन्द्राचार्यजी म श्लोक २४, २५

४ जैनधर्मनी रूपरेखा - ले श्री राजयश सूरिजी म : ५२

५ त्रिकालिक आत्म विज्ञान ले पनालाल गाधी पृ २१२-२१३

६ महादेव वीतराग स्तोत्र ले श्री हेमचद्राचार्यजीम श्लोक-३९

७ 'महादेव वीतराग स्तोत्र ले श्री हेमचद्राचार्यजीम श्लोक-४०से ४३

८ 'तत्व निर्णय प्रासाद - श्रीमद्विजयानद सूरिम पृ ७६

९ तत्त्वार्थाधिगम सूत्र - श्री उमास्वातिजी म अध्याय-५ सूत्र-२९

१० जैनधर्मनी रूपरेखा ' - श्री राजयश सूरिम पृ ३४ टिप्पण-१ (आनदशकर ध्रुव)

११ त्रिकालिक आत्मविज्ञान - श्री पनालाल गाधी पृ २४२,२४३,२४४

१२ जैनधर्मनी रूपरेखा - श्री राजयश सूरिम पृ ३४ टिप्पण-२ (प राममिश्रजी)

१३ जैनधर्म और अनेकान्तवाद - प दरबारीलालजी पृ १७०

१४ स्याद्वाद पर कुछ आक्षेप और उनका परिहार - श्री मोहनलालजी मेहता

१५ द्रव्य-गुण-पर्यायनो रास - उपा श्रयशोविजयजी म सा विवेचन-श्रीधर्मधुरधर वि म
पृ ४७-४८ और 'तत्त्वार्थाधिगम सूत्र'-अभिनव टीका - ले मुनि दीपरत्नसागर-अध्याय-५ पृ १३१

१६ द्वात्रिंशिका - श्री सिद्धसेन दिवाकरजी म सा ४-१४

१७ 'नवतत्त्व' - (आगमिक सग्रह) - पूर्वाचार्य-गाथा-५७

१८ सबोध सित्तरी - श्री जयशेखर सूरि म सा गाथा-२

१९ श्री आत्मानदजीजन्म शताब्दी स्मारक ग्रन्थ-हिन्दी विभाग-पृ १७१

२० सन्मति तर्क - श्री सिद्धसेन दिवाकरजी म सा श्लोक-९४

२१ सन्मति तर्क - श्री सिद्धसेन दिवाकरजी म सा

२२ जैन साहित्यनो सक्षिप्त इतिहास - ले श्री मोहनलाल देसाई

२३ बृहत् शान्ति स्तोत्र - श्री शिवादेवी

२४ The religion of very ancient Predynasic Egypt, supposed to be lakhs of years old also appears to be quite akin to Jainism जैनधर्मनी रूपरेखा पृ ८९

२५ Yes, His religious (The Jains') is the only true one, upon earth, primitive faith of all mankind जैनधर्मनी रूपरेखा पृ ६२

२६ It were a better would indeed if the world were Jain जैनधर्मनी रूपरेखा पृ ६३

२७ It is impossible to know the begining of Jainism जैनधर्मनी रूपरेखा पृ ४५

२८ जैन धर्मनी रूपरेखा - श्री राजयश सूरिजी म पृ ४५

२९ 'श्री आचाराग सूत्र - गणधर रचित-(प्रथम अग)

३० 'श्री तत्त्वार्थाधिगम सूत्र - श्री उमास्वातिजी म सा अध्याय-७ सूत्र ८

३१ बुद्धिस्टर रिव्यू - ले एफ ओ शाहरादेर

३२ "जैनोनी फरज छे के तेमणे समस्त विश्वमा अहिंसा धर्म फेलाववो जोईये"-सरदार पटेल
जैनधर्मनी रूपरेखा - श्री राजयश सूरि म पृ ७३

३३ जैन धर्मनी रूपरेखा - श्री राजयश सूरि म पृ ७२
३४ 'वादत्तु' सूत्र - 'दो प्रतिक्रमण सूत्र' - (गणधर रचित) गाथा-४९
३५ वेदान्त कल्पद्रुम महात्मा शीवव्रतलालजी वर्मन
३६ अभिधान चिंतामणी - श्री हेमचद्राचार्यजी म सा श्लोक-१४५१
३७ अज्ञान तिमिर भास्कर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ १६३
३८ नवतत्त्व - (आगमिक सग्रह) पूर्वाचार्य गाथा-९-१०
३९ जैनधर्म विषयक प्रश्नोत्तर रत्नावली श्रीमद्विजयानद सरीश्वरजी म सा –प्रश्न-११०
४० चिकागो प्रश्नोत्तर श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ७२
४१ श्री भगवती सूत्र (पचम अग) गणधर रचित-१/६/५६
४२ श्री समवायाग सूत्र चतुर्थ अग) गणधर रचित-सूत्र-१०२१
४३ श्री आत्मानदजी जन्म शताब्दी स्मारक ग्रन्थ-English Sec P 172 to 187.
४४ स्वानुभव - प्रस्तुत शोध प्रबन्धकर्त्री
४५ 'श्रुत स्तव' - 'दो प्रतिक्रमण सूत्र' गाथा-१
४६ श्री सिमधर स्वामी स्तुति - श्री वीरविजयजी म सा गाथा-२
४७ कालचक्र - चित्र परिचय - तत्त्वज्ञान पीठिका - सपा श्रीभुवनभानु सूरि म
४८ जैन तत्त्वादर्श - श्रीमद्विजयानंद सुरीश्वरजी म सा –परि ११
४९ 'श्री भगवती सूत्र' - गणधर रचित - (पचम अग) २/१/९०
५० चिकागो प्रश्नोत्तर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ९२
५१ सहस्त्रकूट नामावली - पूर्वाचार्य (अज्ञात) पृ ३७
५२ लब्धि प्रश्न - स श्री वारिषेण सूरि म सा प्रश्न-३७-३८
५३ 'सकलार्हत् स्तोत्र' - आ श्री हेमचद्राचार्य सूरि म सा श्लोक २९
५४ "मारे त्रण पदवीनी छाप दादा जिन चक्री बाप,

अमे वासुदेव धूर थइशु, कुल उत्तम मारु कहीशु ।

नाचे कुलमदशु भराळो नीच गोत्र तिहा बधाणो" ।

भ महावीर - सत्ताईस भवढालियॉ - श्री शुभवीर विजयजी म सा ढाल-२ गाथा-७-८
५५ पर्युषण पर्व सज्झाय - द्वितीय व्याख्यान - मुनिराज श्री माणेक विजयजी म
५६ 'कल्पसूत्र' श्री भद्रबाहु स्वामी - वाचना द्वितीय -
५७ 'श्री महावीर स्वामी पचकल्याणक स्तवन' - आ हीर सुरीश्वरजी म –ढाल-४
५८ 'श्री महावीर स्वामी पचकल्याणक स्तवन' - कवि राम विजयजी म –ढाल-३
५९ श्री त्रिषष्ठी शलाका पुरुष चरित्र - श्री हेमचद्राचार्यजी म सा पृ ६५-६६
६० 'श्री कल्पसूत्र' - सुबोधिका टीकाका अनुवाद - अनु शाह भीमशी माणेकजी पृ २२
६१ त्रिषष्ठी शलाका पुरुष चरित्र - अनुवाद - प्रका श्री जैनधर्म प्रचारक सभा-पर्व-१०, सर्ग-३-४
६२ कल्पसूत्र बालावबोध-प श्री खीमा विजयजी गणि-व्याख्यान-पचम् गाथा-१२०
६३ 'लब्धि प्रश्न - सपा श्री वारिषेण सुरीश्वरजी म प्रश्नोत्तर-१०६
६४ 'श्री कल्पसूत्र सुखबोधिका टीका(अनुवाद)-अनु शाह भीमसिह माणेकजी-पृ ८९
६५ जैनधर्मके विभिन्न आगमिक, शास्त्रीय, कथानुयोग, चरित्रचित्रण आदि पर आधारित सक्षिप्त स्वरूप
६६ 'श्री तपगच्छ पट्टावली - ले श्री धर्मसागरजी म सा , सपा –प कल्याण वि म , 'जैन मत वृक्ष' - ले श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा , 'जैन धर्मके प्रभावक आचार्य' - सपा सा श्री सघमित्राश्रीजी, 'परिशिष्ट पर्व', शासन प्रभावक श्रमण भगवतो'-सपा नदलाल देवलुक, 'श्री कल्पसूत्र'-

(अष्टम् व्याख्यान) 'स्थविरावलि' - प्रमुख ग्रन्थाधारित संक्षिप्त सकलन-

पर्व द्वितीय - श्री आत्मानंदजी महाराजजीका जीवन तथ्य -

१ 'आत्माराम पत्तरगम् काव्यम्' - श्री नित्यानद शास्त्री - १/१
२ 'नवयुग निर्माता श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म पृ १२६
३ जैनाचार्य श्री आत्मानद-जन्म शताब्दि स्मारक ग्रन्थ - हिन्दी विभाग–पृ २
४ "The world's Parliament of Religious-Chicago-U S.A. Page-21
५ तत्त्व निर्णय प्रासाद श्री योगजीवानदजीका पत्र श्री आत्मानदजीम के नाम पृ ५२८
६ 'उपासक दशाग सूत्र सपा डॉ ए एफ रूडॉल्फ होर्नल समर्पण पत्रिका'
७ 'आत्मचरित्र (उर्दू) ले लाला बाबूरामजी जैन-पृ २६-३४
८ न्यायाभोनिधि श्री विजयानद सूरि - ले श्री सुशील - पृ १
९ पजाबके महान ज्योतिर्धर जैनाचार्य श्री विजयानद सूरि - ले श्री पृथ्वीराजजी जैन-पृ २४
१० 'महान ज्योतिर्धर' अनु रजन परमार - पृ ८
११ जैनाचार्य श्री विजयानद सूरि - ले श्री पृथ्वीराज जैन पृ २३
१२ जैनाचार्य श्री विजयानद सूरि - ले श्री पृथ्वीराज जैन पृ २३
१३ नवयुग निर्माता - ले श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा पृ ८
१४ नवयुग निर्माता - ले श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा पृ ८
१५ श्री आत्मानद चौबीसी - प्रका श्री आत्मानद जैन सभा - पृ २
१६ 'उपदेश बावनी' - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म श्लोक १०
१७ 'अज्ञान तिमिर भास्कर' - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -द्वितीय खड पृ -१६५
१८ न्या जै श्री विजयानद सूरि - पृथ्वीराज जैन - पृ २६
१९ श्री विजयानदाभ्युदयम् महाकाव्यम् - प हीरालाल वि हसराज - तृतीय सर्ग-श्लोक-२४
२० श्री विजयानदाभ्युदयम् महाकाव्यम् - प हीरालाल वि हसराज - तृतीय सर्ग-श्लोक-२६
२१ श्री विजयानदाभ्युदयम् महाकाव्यम् - प हीरालाल वि हसराज - तृतीय सर्ग-श्लोक-२९ से ५२
२२ न्यायाम्भोनिधि श्री विजयानद सूरि - ले सुशील - पृ ५
२३ 'नवयुग निर्माता' - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा पृ १०-११
२४ 'महान ज्योतिर्धर - अनु रजन परमार पृ १४
२५ श्री विजयानदाभ्युदयम् महाकाव्यम् - प हीरालाल वि हसराज पृ ५२ (पाद टिप्पणी)
२६ न्यायाम्भोनिधि श्री विजयानद सूरि - ले सुशील - पृ ९
२७ न्या जै श्री विजयानद सूरि–पृथ्वीराजजी जैन पृ ४०
२८ 'नवयुग निर्माता - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ११७
२९ न्या जै श्री विजयानद सूरि - पृथ्वीराज जैन - पृ ४२
३०,३१,३२ 'नवयुग निर्माता'-श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा –अध्याय ७से१२, पृ १४० पृ १७२
३३ श्री आत्मारामजी और हिन्दी भाषा - ले श्री जसवतराय जैन पृ ४
३४,३५,३६ 'नवयुग निर्माता' - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा पृ १६९,१९१ १७५
३७ न्या जै श्री विजयानद सूरि श्री पृथ्वीराजजी जैन पृ ५५
३८ 'सुधारस जिन स्तवनावलि' - श्री सिद्धाचलजी तीर्थ स्तवन कर्ता श्री पद्मविजयजी म
३९ 'जिन गुण मजरी' - श्री शत्रुजय महातीर्थ स्तवन कर्ता श्री क्षमा विजयजी म पृ २१७
४०,४१ 'नवयुग निर्माता' - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा पृ १८५ १९५
४२ 'मुहपत्ती विषे चर्चा' - ले श्री बूटेरायजी म सा

४३,४४ **धर्मवीर श्री बूटेरायजी महाराज** - ले श्री न्याय विजयजी म सा पृ ६७
४५ नवयुग निर्माता - **श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी** म सा पृ १९६
४६ महान ज्योतिर्धर - अनु रजन परमार पृ ५८
४७,४८ नवयुग निर्माता - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म पृ २०८, पृ २१२
४९ न्या जै श्री विजयानद सूरि - पृथ्वीराजजी जैन - पृ ६०
५०,५१ **नवयुग निर्माता -श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी** म सा पृ २२१-२२२, पृ २३५
५२ श्रीमद्विजयानद सूरि जीवन और कार्य मुनि श्री नविनचद्र वि म पृ ५१
५३ ५४ ५५ नवयुग निर्माता श्री वि व सू म सा -पृ २३८से२४८–पृ २५३से२६५–पृ २७६से२८१
५६ श्रीमद्विजयानद सूरि जीवन और कार्य-मुनि श्री नविनचद्र वि म पृ ४२-४३ और ,
न्या जै श्री विजयानद सूरिजी - पृथ्वीराजजी जैन पृ ६९-७०
५७ श्री विजयानदाभ्युदयम् महाकाव्यम् प हीरालाल वि हसराज सर्ग-११ श्लोक-३
५८ योगनिष्ठ आ श्रीमद् बुद्धिसागरजीम - ले श्री जयभिक्खु–
५९ जै श्री आत्मानदजी-ज श स्मा ग्रन्थ - गुजराती विभाग-पृ १४३
६० से ६५ नवयुग निर्माता–श्री वि व सुरीश्वरजी म - पृ ३७४,३८३,३९६-३९७,३७७,३९२,४०५
६६ श्रीमद्विजयानद सूरि जीवन और कार्य - श्री नविनचद्र वि म -पृ ७२
६७से७५ नवयुग निर्माता - श्री. वि व सु म सा -पृ ३४२,३५५,३६१,३६३,३६९,३७१,३८२,३९२,३९१
७६ 'एव खु नाणी चरणेण हीणो, भारस्स भागी न हु सुग्गइए' - सबोध सित्तरी गाथा-८१
७७ तत्त्वार्थाधिगम सूत्र - श्री उमास्वातिजी म सा - अध्याय-१-सूत्र-१
७८ शब्द चिंतामणि - सपा सवाइलाल छोटालाल वोरा पृ १२७०
७९ महान ज्योतिर्धर - श्री रजन परमार - पृ ७६
८०,८१ जै श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ - गुजराती विभाग - पृ ९,१०
८२ जैनधर्म विषयक प्रश्नोत्तर-श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम -प्रश्न-१५१
८३ आत्मचरित्र (उर्दू) ला बाबूराम जैन-पृ १४
८४ तत्त्व निर्णय प्रासाद श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -पृ-३८६
८५ ईसाई मत समीक्षा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -पृ २३
८५ A अज्ञान तिमिर भास्कर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -पृ २०६-२०७
८६ चिकागो प्रश्नोत्तर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम –पृ ८६
८७ चिकागो प्रश्नोत्तर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम –पृ ९६
८८ तत्त्व निर्णय प्रासाद - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ २०७
८९ जै श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ-गुजराती विभाग–पृ -१३३
९० न्या जै श्री विजयानद सूरि-पृथ्वीराजजी जैन - पृ ४६
९१ श्री आत्मारामजीनु जीवन - सत्यना प्रयोगो - ले नागकुमार मकाती पृ १०३
९२ गुरुस्तुति - श्रीयुत शेठ कनैयालालजी जैन - श्लोक ९
९३ न्या श्री विजयानद सूरि - श्री सुशील पृ ४५
९४ जै श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ-श्रीमद आत्मारामजी तरफथी पत्रो-पत्र ९ (गुज) पृ १२२
९५ महान ज्योतिर्धर - अनु रजन परमार पृ १३८-१३९
९६ जै श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ - आ श्री आत्मारामजीनु व्यक्तित्व दर्शन-पोपटलाल शाह(गुज)पृ १५
९७ जै श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ - श्री विजयानदावतार - 'जैन कवि' श्लोक-९-१०-११
९८ नवयुग निर्माता - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा -पृ १४५

९९ दसवैकालिक सूत्र–शय्यभव सूरि-अध्ययन-९/२/२
१०० जैनधर्म विषयक प्रश्नोत्तर - श्रीमद्विजयानद सु म सा अतिम वाक्य
१०१ अज्ञान तिमिर भास्कर - श्रीमद्विजयानद सु म सा -पृ
१०२ तत्त्व निर्णय प्रासाद श्रीमद्विजयानद सु म सा -पृ १७७-१७८
१०३ विनय प्रधान महापुरुष - श्री कुवरजी आणदजी-पृ २४
१०४ न्या जै श्रीविजयानद सूरि-श्रीपृथ्वीराजजी जैन - पृ ९३
१०५ श्री आत्मारामजीम और श्रीमोहनलालजी म -श्री रिद्धिमुनिर्जी पृ ५०
१०६ सूरिर्जीना केटलाक जीवन प्रसगो मुनि श्री चारित्र विजयजी पृ ३८
१०७ न्या जै श्री विजयानद सूरि–पृथ्वीराजजी जैन-पृ ६९
१०८ न्या जै श्री विजयानद सूरि–पृथ्वीराजजी जैन-पृ
१०९ जै श्री आत्मानदजी ज शा स्मा ग्रन्थ–मुनिराज श्री चरणविजयजी म पृ १३९
११० श्री आत्मारामजी म अने तेओश्रीना आदर्श गुणो - मुनिराज श्री चरणविजयजीम -पृ १४२
१११ न्या जै श्री विजयानद सूरि–श्री पृथ्वीराजजी जैन पृ ९८
११२ महान ज्योतिर्धर - अनु श्री रजन परमार पृ १३७
११३ मत्रवादी श्रीमद्विजयानद सूरि-यति श्री बालचद्राचार्यजी पृ २०
११५ सुसस्मरणो - सूरचद्र बदामी पृ ६४
११६ श्री आत्मारामजी म अने तेओश्रीना आदर्श गुणो - मुनिराज श्री चरणविजयजीम पृ १३९
११७ न्या श्री विजयानद सूरि–श्री पृथ्वीराजजी जैन - पृ १५९
११८ न्या श्री विजयानद सूरि–श्री सुशील - पृ ७०
११९-१२० श्री आत्मारामजी म अने तेओश्रीना आदर्श गुणो - मुनि श्री चरण विजयजीम पृ १३६,१४१
१२१ My acquaintance with Swami Atmaram - Jwala Sahai Mishra-P.71-72
१२२ न्या श्री विजयानद सूरि-श्रीसुशील पृ ४४-४५
१२३ न्या जै श्री विजयानद सूरि-श्री पृथ्वीराजजी जैन-पृ ८७
१२४ अज्ञान तिमिर भास्कर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ१७१
१२६ आ श्रीआत्मारामजी म नु व्यक्तित्व दर्शन - श्री पोपटलाल शाह-पृ १४
१२७ 'नवयुग निर्माता' - आ श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म पृ ४१२

पर्व तृतीय-श्री आत्मानंदजी म.के व्यक्तित्वका मूल्यांकन-ज्योतिषचक्रके परिवेशमें

१ जैन धर्म विषयक प्रश्नोत्तर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा प्र ११९
२ ज्योतिष कल्पतरु - जोषी सोमेश्वर द्वारकादास - पृ ४६
३ हस्तलिखित डायरी - श्री गौतमकुमार शाह
४ ५,६ ज्योतिष कल्पतरु जोषी सोमेश्वर द्वा पृ ३, पृ २५० से २६० पृ १७
७ हस्तलिखित डायरी - श्री गौतम कुमार शाह
८ सिद्धान्तसार (प्राचीनाचार्य) सूर्यचन्द्रश्च भौमश्च बुध ईज्यश्च भार्गव
शनी राहुश्च केतुश्च प्रोक्ता एते नवग्रहा ।'
९ ज्योतिष कल्पतरु - जोषी सोमेश्वर द्वा पृ २२
१० लघु जातक - पूर्वाचार्य (अज्ञात) गाथा-५
११ सर्वार्थ चिंतामणी (अज्ञात) 'अथोर्ध्व दिननाथ भौमौ दृष्टि कटाक्षेण कवी दुसून्वो।
स्व दिनादिष्वशुभशुभा बहुलोत्तर पक्षयोर्बलिन।।

१· जन्मभूमि पचाग ·२०५१ · पृ १३५
१३ (मानसागरी ग्रन्थाधारित)·ज्योतिष कल्पतरु-जोषी सोमेश्वर द्वा पृ २६०-२७०
१४ जन्मभूमि पचाग–स २०५१–पृ १५४
१५ ज्योतिष कल्पतरु · जोषी सोमेश्वर द्वा ऽ पारिजात ग्रन्थाधारित) पृ ४२६ से ४२९
१६ जै श्रीआत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ · श्रीमद्विजय वल्लभ सू म सा हिन्दी विभाग-पृ २११
१७ नवयुग निर्माता - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा ·अध्याय ५-६-७
१८ न्या जै श्री विजयानद सूरि श्री. पृथ्वीराजजी जैन प्रकरण-३ १६ १७
१९ महान ज्योतिर्धर रजन परमार
२० श्री विजयानद सूरि–श्री सुशील
२१ सूरिजीना केटलाक जीवन प्रसगो · मुनि श्री चारित्र विजयजी म सा
२२ नवयुग निर्माता - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा
२३ मुनिश्री आत्मानदजी म तथा चिकागो सर्व धर्म परिषद - सुदरलाल जैन-पृ ३८
२४ जन्मभूमि पचाग-वि स २०४८·'राहुना अगम रहस्यो' आर डी जोशी पृ १२३
२५ श्री आत्मारामजी म अने तेओना आदर्श गुणो - मुनि चरण विजयजी म ·पृ १४३
२६ श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ - Dr Hornle's Letters (अग्रेजी विभाग) पृ १३० से १४०
२७ मत्रवादी श्री विजयानद सूरिजी · यति /श्री बालचद्राचार्यजी म पृ २०
२८ जन्मभूमि पचाग - स २०५०–श्रीनवीनचद्र शुक्ल - पृ २३३
२९ आ श्री विजयानद सूरि-एक आदर्श साधु–श्रीनरोत्तमदास भगवानदास-पृ ५३
३० नवयुग निर्माता - श्री विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा - अध्याय-११२
३१ जन्मभूमि पचाग · वि स २०४८ ले श्री अश्विन रावल-पृ २३८
३२ श्री आत्म चरित्र (उर्दू) ला बाबूरामजी जैन पृ १७५
३३ जन्मभूमि पचाग - वि स २०४६ ले यति श्री शिवगिरिजी-पृ २०९
३४ जन्मभूमि पचाग - वि स २०५० · पृ २२९
३५ नवयुग निर्माता · श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा पृ
३६ जन्मभूमि पचाग - 'सन्यास के योग' - श्री चद्रकान्त पाठक

पर्व चतुर्थ - श्री आत्मानंदजी म.की अक्षरदेहका परिचय - मंगलाचरण

आचार्य प्रवरश्रीके ग्रन्थोका परिचय

पर्व पंचम - श्री आत्मानंदजी म.का गद्य साहित्य-

१ श्री विजयानद सुरीश्वर स्तवनम् · मुनिराज श्री चतुरविजयजी म सा श्लोक-३०
२ हिन्दी साहित्यका इतिहास · डो नगेन्द्र पृ ४५७
३ अज्ञान तिमिर भास्कर (प्रवेशिका) · श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा ·पृ ३
४.५ हिन्दी साहित्यका उदभव और विकास (खड-२)-पृ १४९
६.७ हिन्दी साहित्यका इतिहास डॉ नगेन्द्र पृ ४७७–पृ ४९५
८ जै श्री आत्मानजी ज श स्मा ग्रन्थ हिन्दी विभाग-पृ १७२
९ चिकागो प्रश्नोत्तर · श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ९२ ९३
१० जैन तत्त्वादर्श · श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ५४
११ श्री आत्म वल्लभ पूजा सग्रह - प्रका माणेकलाल नानजी · स्नात्रपूजा-ढाल-४-५

१२ नवयुग निर्माता - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजीम सा पृ १२५
१३ महान ज्योतिर्धर - अनु रजन परमार पृ ४६
१४ नवयुग निर्माता - श्रीमद्विजय वल्लभ स् श्वरजीम सा -पृ १२६
१५ न्या श्री विजयानद सूरि-श्री सुशील - पृ ३२-३३
१६ न्या जै श्री विजयानद सूरि - पृथ्वीराजजी जैन–पृ १४१
१७ लोक तत्त्व निर्णय - श्री हरिभद्र सुरीश्वरजी म सा श्लोक-३८
१८ ईसाई मत समीक्षा श्री विजयानद सुरीश्वरजी म सा –पृ २३
१९ अज्ञान तिमिर भास्कर (प्रथम खड) श्री विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ११८
२० जैन तत्त्वादर्श-परिच्छेद-२ श्री विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ८०
२१ अज्ञान तिमिर भास्कर श्री विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ १८६
२२ चतुर्थ स्तुति निर्णय भाग-१ श्री विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ १२१-१४०
२३ नवयुग निर्माता - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म सा पृ १३६
२४,२५ अज्ञान तिमिर भास्कर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ १५७-१५८,पृ २६२से२६९
२६ तत्त्व निर्णय प्रासाद - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ९
२७ लोक तत्त्व निर्णय - श्री हरिभद्र सूरिजी म सा श्लोक-३७
२८ तत्त्व निर्णय प्रासाद - श्रीमद्विजयानंद सुरीश्वरजी म सा पृ ५२४-५२५-५२९
२९ अज्ञान तिमिर भास्कर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ १९५
३० तत्त्व निर्णय प्रासाद - श्रीमद्विजयानंद सुरीश्वरजी म स पृ २०६-२०७
३१ चिकागो प्रश्नोत्तर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ९३
३२ अज्ञान तिमिर भास्कर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी.म सा पृ २०७
३३ जै श्री आत्मानद ज श स्मा ग्रन्थ - गुजराती विभाग - पृ १०३
३४ महान ज्योतिर्धर - अनु रजन परमार - पृ ८०
३५ जै श्री आत्मानद ज श स्मा ग्रन्थ - हिन्दी विभाग - पृ ६१
३६ प्रतिक्रमण सूत्र - गणधर प्रणीत - श्लोक - ३/२
३७ न्या श्री विजयानद सूरि-ले सुशील - पृ ७८
३८ भाषा और समाज - ले रामविलास शर्मा–पृ ४२३
३९ भारतेदु-युग और हिन्दी भाषाकी विकास परपरा - श्रीरामविलास शर्मा-पृ १३७-१३८
४० हिन्दी साहित्यका इतिहास-आचार्य रामचद्र शुक्ल पृ ४२९
४१ भारतेदु युग और हिन्दी भाषाकी विकास परपरा-श्री रामविलास शर्मा-पृ १८०-१८१
४२,४३,४४,४५ जैन तत्त्वादर्श - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा -पृ ४१०,४४०,२८९,२९२
४६ अज्ञान तिमिर भास्कर श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम सा पृ ९६
४७ तत्त्व निर्णय प्रासाद श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम सा पृ ९०
४८ न्या जै श्री विजयानद सूरि-पृथ्वीराजजी जैन पृ १३८
४९,५० अज्ञान तिमिर भास्कर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ १५२ पृ २०६
५१ जैन तत्त्वादर्श प्रासगिक वक्तव्य ले श्री बनारसीदास जैन
५२ श्री आत्मारामजी म और हिन्दी भाषा जसवतराय - जैन - पृ ४
५३,५४ जैन तत्त्वादर्श श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ १२५,पृ २-४-७
५५ जैनधर्म विषयक प्रश्नोत्तर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ११९
५६ तत्त्व निर्णय प्रासाद - श्रीमद्विजयानंद सुरीश्वरजी म सा पृ ५३८

५७ न्या.जै श्री विजयानद सूरि-श्री पृथ्वा...जा जैन - पृ १४०
५८ तत्त्व निर्णय प्रासाद - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा अतिम मगल श्लोक
५९ पजाबमे हिन्दीकी प्रगति काशी नागरी प्रचारिणी सभा-पत्रिका-(१९४४)
६० ज्ञान भडारो पर एक दृष्टि श्री पुण्य विजयजी म सा पृ ६३

पर्व षष्ठम् - श्री आत्मानंदजी महाराजजीका पद्य साहित्य -

१	काव्यमनीषा	भगीरथ मिश्र	पृ २०
२	साहित्यालोचन	श्याम सुदरदासजी	पृ ३४
३	काव्याग कौमुदी कला ३	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	पृ ११
४	काव्यमनीषा	भगीरथ मिश्र	पृ ६१
५/६	काव्यमनीषा	भगीरथ मिश्र	पृ ६५
७	साहित्यालोचन	श्यामसुदरदासजी	पृ २४९

८/९ चतुर्विंशति जिन स्तवन श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -स्त -१/५
१०/११ आत्मविलास स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म - श्री सिद्धाचलजी तीर्थ स्तवन श्री शीतलनाथ जिन स्तवन
१२. उपदेश बावनी श्रीमद्विजानद सुरीश्वरजी म -श्लोक-९
१३/१४ नवतत्त्व सग्रह ध्यानस्वरूप (लेश्या द्वार) श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम पृ १८१/पृ १७९
१५ स्नात्र पूजा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -ढाल-६
१६ नवपद पूजा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम -पूजा-२
१७ उपदेश बावनी श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -श्लोक-३८
१८/१९ हिन्दी साहित्यका इतिहास श्री नगेन्द्र—पृ १२७/पृ १४१
२०/२१ स्तवन सग्रह (हस्तलिखित) श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म स्तवन-६७/स्तवन ७४
२२ उपदेश बावनी - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -श्लोक-३३
२३ चतुर्विंशति जिन स्तवनावलि श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म - स्तवन-७
२४/२५ आत्मविलास स्तवनावलि श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म - पृ ५८,८४
२६ सत्रहभेदी पूजा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म - सप्तम पूजा
२७,२८,२९ आत्मविलास स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म - पृ ५२/पृ १३/पृ २४
३० अष्ट प्रकारी पूजा - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म - सप्तम पूजा
३१ आत्म विलास स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ ७९
३२ अष्ट प्रकारी पूजा - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म प्रथम पूजा
३३,३४,३५ श्री नवपदपूजा - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म षष्ठम पूजा/नवम पूजा-२-४
३६ अष्टप्रकारी पूजा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पूजा - ६-७
३७,३८,३९ आत्म विलास स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ ७७/पृ ७५/पृ ६२
४० चतुर्विंशति जिन स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म स्तवन-११
४१,४२ आत्म विलास स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ ५९/पृ ६८
४३ जै श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ - हिन्दी विभाग-श्रीदेवकुमार जैन पृ १७४
४४,४५,४६,४७ श्री बीस स्थानक पूजा - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पूजा ३/६/१/२
४८ से ५२ श्री नवपद पूजा - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म - पूजा - ६/१/६/७/८
५३ बीस स्थानक पूजा - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -पूजा-१७

५४/५५ उपदेश बावना श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म श्लोक ४०/४

५६ बीसस्थानक पूजा - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पूजा १७

५७/५८ अष्ट प्रकारी पूजा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म कलश/पूजा-४

५९ द्वादश भावना सज्झाय श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म एकत्व भावना सज्झाय

६०/६१/६२ आत्मविलास स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पद-५/१०/११

६३ अष्ट प्रकारी पूजा - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पूजा-१

६४से६७ सत्रहभेदी पूजा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पूजा७/०/१०/१७

६८ स्तवन सग्रह (हस्त लिखित) श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी - स्तवन-४१

६९/७०/७१ सत्रह भेदी पूजा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पूजा १६/१२/५

७२ आत्म विलास स्तवनावलि श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सिद्धाचल मडन श्री ऋषभदेव भ स्तवन

७३से७६ बीसस्थानक पूजा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पूजा-१२/१०/१८/१५

७७ स्तवन सग्रह (हस्त लिखित) - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म स्तवन ३५

७८से८१ उपदेश बावनी - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म श्लोक १/२/५/६

८२ चतुर्विंशति जिन स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म स्तवन-२०

८३ बारह भावना सज्झाय - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म आश्रव भावना सज्झाय

८४ बृहत् नवतत्त्व सग्रह (बारह भावना स्वरूप) - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म आश्रव भावना

८५ बृहत नवतत्त्व सग्रह (ध्यान स्वरूप) - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म लेश्या द्वार

८६ चतुर्विंशति जिन स्तवनावलि - श्रीम यानद सुरीश्वरजी म स्तवन-१८

८७ आत्म विलास स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ १७

८८से९१ उपदेश बावनी - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म श्लोक २१/३३/३६/६०

९२ द्वादश भावना सज्झाय - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म लोक स्वरूप भावना

९३ रस मीमासा–आ रामचद्र शुक्ल–पृ ३३

९४ स्वामी नारायण सप्रदाय और मुक्तानदजी म का साहित्य - ले डो अरुणा शुक्ल-पृ २२७

९५ काव्याग कौमुदी (तृतीयकला) - श्रीविश्वनाथ प्रसाद, मिश्र पृ ८९

९६ काव्यमनीषा - श्री भगीरथ मिश्र-

९७ काव्य शास्त्र - श्रीभगीरथ मिश्र म पृ २५७

९८ - काव्यमनीषा - श्रीभगीरथ मिश्र म पृ २९६/पृ २८५

१०० ध्वन्यालोक लोचन–आनदवर्धनाचार्य

१०१ काव्यशास्त्र–डॉ भगीरथ मिश्र पृ २२६

१०२ हिन्दीके विकासमे अपभ्रश भाषाका योगदान - डा नामवरसिह

१०३ काव्य शास्त्र सहायिका–श्री अभिताभ पृ ८९

१०४,१०५ जै श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ - गुजराती विभाग पृ १४१/पृ ८९

१०६ श्रीमद विजयानद सुरीश्वरजी अमर काव्यदेह - श्री मोतीचद कापडिया पृ १८

पर्व सप्तम् - श्री आत्मानंजीके साहित्यका विश्वस्तरीय प्रभाव---

१ श्री विजयानद सुरीश्वर स्तवनम श्री चतुरविजयजी म श्लोक ९

२ Jainism a Universal Religion - B M Javeria - P60-61

३ The Man and his messege - Baburam Jain P78

४ श्री आचार्यदेवका स्मरण शशिभूषण शास्त्री पृ २३

५ चिकागो प्रश्नोत्तर श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ ८६

६ Suman Sanchaya Gyandas Jain P.129

७ अज्ञान तिमिर भास्कर श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ २०७

८ An Appreciation Chandra Gupta Jain P69-70

९ कलिकाल कल्पतरु डॉ जवाहरचद्र पटनी पृ १७

१० तत्त्व निर्णय प्रासाद श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम पृ ३८६

११,१२ आत्मचरित्र (उर्दू) श्री बाबूरामजी जैन पृ २२४/२३९

१३ जैन समाजमे शिक्षा और दीक्षाका स्थान अचलदास लक्ष्मीचदजी पृ ७२

१४ आत्मचरित्र (उर्दू) लाला बाबूरामजी जैन पृ २०७

१५,१६,१७ अहिंसा और विश्वशाति–श्री दरबारीलाल जैन कोठिया पृ १३२-१३३/पृ १३९/पृ १३६

१८,१९,२० अज्ञान तिमिर भास्कर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -पृ १२२/पृ २९२/पृ ३२९

२१ जै श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ (गुजराती विभाग) - पृ ८३

२२ सूरिजीना केटलाक जीवन प्रसगो - मुनि चारित्र विजयजी म पृ ३५

२३ समयज्ञ सत श्री मोहनलाल दीपचद चोकसी - पृ ४५

२४ सो वर्षनो सिद्धियोग श्री देवचद दामजी कुडलाकर पृ ९२

२५ Shree Atmaramji & his many sided activities by Amarnath Audich P=.97

२६,२७ जैनधर्म विषयक प्रश्नोत्तर- श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ १२२/पृ १५१

२८ श्रद्धाजलि (जै श्री आत्मानदजी ज.श स्मा ग्रन्थ) मुनि श्री ज्ञानसुदरजी म -पृ १८१

२९ अर्हन्मतोद्धारक आ आत्मारामजी–श्रीलक्ष्मण रघुनाथ भीडे - पृ १०

३० Shree Atmaramji and his mission - Chaitandas - P55

३१ श्री आत्मारामजी म ना जीवननी विशिष्टता -- श्री फतेहचद झवेरभाई शाह पृ ८८

३२ Shree Atmaramji and his mission - Chaitandas - P58

३३ जैन धर्म विषयक प्रश्नोत्तर- श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ६८

३४ श्री आत्मारामजी म ना ग्रन्थोनु दिग्दर्शन - श्री नानचदजी शाह–पृ ९८-१०८

३५ समयज्ञ सत श्री मोहनलाल चोकसी पृ- ४८

३७ अर्हन् मतोद्धारक आ श्री आत्मारामजी - श्री लक्ष्मण भीडे पृ १२

३८,३९ Shree Atmaramji and his mission - Chaitandas - P.58/P57

४० श्री आत्मारामजी म अने तेमना आदर्श गुणो - श्री चरण विजयजी म - पृ १४१

४१ जैनधर्मका महत्त्व और उसकी उन्नतिके साधन - मथुरदास जैन - पृ १२९

४२ The man and his messege - Bauram Jain P81

४३ जैनधर्म विषयक प्रश्नोत्तर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म प्रश्न -१६ १८,१९ २०

४४ न्या जै श्री विजयानद सूरि पृथ्वीराजजी जैन–पृ १०८,१११

४५ आत्म चरित्र (उर्दू) लाला बाबूराम जैन पृ २१२ २१४

४६ न्या श्री विजयानद सूरि श्री सुशील–परिशिष्ट पृ ७

४७ श्री आत्मानदजी म अने तेमना आदर्श गुणो मुनि श्री चरण विजयजी म पृ१४२

४८ न्या श्री विजयानद सूरि–श्री सुशील–पृ २,८४

५०,५१ जैन तत्त्वादर्श श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ ४४०/पृ ४४४

५२ जैनधर्म विषयक प्रश्नोत्तर श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म प्र १५१

५३,५४ आत्मचरित्र (उर्दू) लाला बाबूरामजी जैन पृ २०९/पृ १११-११२

५५ The Indian empire by Mr. Huntar---Huntar - P472
५६ न्या जै श्री विजयानद सूरि--श्री पृथ्वीराज जैन · पृ १२९
५७ तत्त्व नि॰ । प्रासाद श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ ४
५८ जै श्री विजयानद ज श स्मा ग्रन्थ (मेकोलेका पत्र पिताके नाम) हिन्दी विभाग पृ · ·
५९ · जैन तत्त्वादर्श · श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ ४८१
६० नवयुग निर्माता - श्रीमद्विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म -पृ ४०९ से ४११
६१ सुरीश्वरजीके पुनितनाम ·र श्री ईश्वरलाल जैन पृ ९।
६२ जैनधर्मका महत्त्व और इसकी उन्नतिके साधन श्री मथुरदास जैन पृ १२८ १२९
६३ स्व गुरु म का अधूरा रहा हुआ अतिम ध्येय श्री बनारसीदास पृ ५४
६४ जैन साहित्यनो सक्षिप्त इतिहास मोहनलाल देसाई पेरा १०७२ १०८२
६५ 'अनुसधान' · पत्रिका (सपादकीय वक्तव्य) सपा · वि शीलचद्र सूरि हरिवल्लभ भायाणी
६६,६७ Shree Atmaramji and his many sided activities by Dr. Amarnath Audich-P.98/99
६८ विश्व महाविभूति श्री विजयानद सूरिश्वरनो अक्षर देह · श्री पुण्य विजयजी म - पृ ३
६९ महान ज्योतिर्धर · अनु रजन परमार · पृ ६४
७० न्या जै श्री विजयानद सूरि · श्री पृथ्वीराजजी जैन · पृ १४५
७१,७२ अज्ञान तिमिर भास्कर · श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ १६७/पृ १७४
७३ श्री नयविजय उपाध्यायजी रचित 'कल्प सुबोधिका वृत्ति' सपा श्री शोभाचद्रजी भारिल्ल-पृ ३१-३२
७४ Shree Atmaramji from a young mans' view point by Shah Vinaychand
७५ न्या.जै श्री विजयानद सूरि श्री पृथ्वीराजजी जैन · पृ १४१-१५०

पर्व अष्टम् - श्री आत्मानंदजी म.की अन्य विभूतियोंसे तुलना ---

१ श्री विजयानदाभ्युदयम् महाकाव्यम् · प हीरालाल वि हसराज सर्ग-११/२९
२ हिन्दी साहित्यका इतिहास · डॉ नगेन्द्र पृ ७२
३ पत्रिका-श्री महावीर शासन-वर्ष-४४-अक-८-९-जैन रामकथाका स्वरूप व विकास-डॉ शातिलाल शाह पृ ८६
६ प्रभावक चरित्र श्री प्रभाचद्र सूरिम
७ कुवलय माला श्री उद्योतन सूरिम
८ 'षोडशक प्रकरण'-व्याख्यान सग्रह--प्रस्तावना--ने हीरालाल कापडिया-पृ ११ और १५
९ आवश्यक निर्युक्ति गाथा ४२१
१० श्री सुपार्श्वनाथ चरित श्री लक्ष्मणजी गणि
११ शास्त्रवार्ता समुच्चय-वृत्ति · उपा श्री यशोविजयजी म
१२ श्री आत्मारामजी म अने तेमना आदर्श गुणो मुनि श्री चरण विजयजी म -पृ १३८
१३ 'सूरि पुरदर' · श्रीमद्विजय भुवनभानु सूरिम पृ १२
१३A आ श्री आत्मारामजीनु व्यक्तित्व दर्शन--शाह पोपटलाल--पृ १२
१४ श्री आत्मारामजी म नो अमर काव्य देह मोतीचद कापडिया पृ २२
१५ 'अज्ञान तिमिर भास्कर प्रथम खड श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा -पृ १२१
१६ 'कलिलाल कल्पतरु जवाहरचद्र पटनी-पृ --२७३
१७ 'यशोदोहन'--प्रस्तावना--श्री यशोदेव सूरि म
१८ नृतत्त्व निगम (लोकतत्त्व निर्णय) · श्री हरिभद्र सुरीश्वरजी म श्लोक ३८
१९ सम्यक्त्व. शल्योद्धार-उपोदघात-श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ ६-७

२०से२३ आत्मविलास स्तवनावलि– श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म –पृ ६७/पृ १९/पृ ७१/पृ ६१
२४ श्री यशोविजयजी कृत जिन स्तवन चौबीसी - श्री चद्रप्रभ स्वामी जिन स्तवन
२५ आत्म विलास स्तवनावलि - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म –पृ ७६
२६ आनदघनका रहस्यवाद - सा श्री सुदर्शनाश्रीजीम –पृ ५९
२७ श्री सम्मेत शिखरजी तीर्थना ढालियाँ-१९–सपा-श्री पद्मसूरिजीम –पृ १४७से१६६
२८ शासन प्रभावक श्रमण भगवतो - सपा-श्री नदलाल देवलुकजी
२९ जै श्री आत्मानदजी ज श स्मा ग्रन्थ - हिन्दी विभाग-पृ २२
३० श्री आनदघन ग्रन्थावली - पद - ७२
३१ श्री आनदघन जिन चौबीसी-स्तवन-१३
३२,३३ आत्मविलास स्तवनावली–पृ ६५/पृ ८७
३४ चतुर्विंशति जिन स्तवन–श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म –स्त १८
३५से३८ श्री आनदघन पदावली (सज्जन सन्मित्र)-सपा- पद पोपटलाल केशवलाल-३३/१४/७०/८७
३९,४० श्री आत्मविलास स्तवनावली-श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ १७/पृ ९९
४१ श्री आनदघन ग्रन्थावली - पद-१२
४२ श्रीनवपदजी पूजा - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -पूजा-४
४३ श्री बीस स्थानक पूजा- श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पूजा-१०
४४ श्री आनंदघन जिन चौबीसी - श्री आनदघनजी म सा–स्तवन-१७
४५ आत्मविलास स्तवनावली - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम –पृ १०१
४६ श्री आनदघन पद बहोत्तरी - पद-८२
४७ आत्म विलास स्तवनावली - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पृ १०४
४८ श्री आनदघन जिन चौबीसी - स्तवन-२१
४९ चतुर्विंशति जिन स्तवनावली–श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजीम स्त ९
५०से५३ चिदानद ग्रन्थावली - भूमिका–श्री भवरलालजी नाहटा–पृ १४/१५/२०/१६
५४ चिदानद कृत स्वरोदयज्ञान–पृ २१७-१०
५५ जैन तत्त्वादर्श - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा –सपा-श्रीपुण्यपालसूरि–परि-९-पृ ३६०-३६१
५६ चिदानद कृत सग्रह-भाग-२ सपा केशरीचद धूपिया–पृ १४१
५७ उपदेश बावनी - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा श्लोक-१
५८ चतुर्विंशती जिन स्तवनावली - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म स्तवन-३
५९ दया छत्तीसी ले चिदानदजी म सा श्लोक-३४
६० परमात्म छत्तीसी श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म श्लोक-९,१०
६१ उपदेश बावनी - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा श्लोक-९,१८,२५
६२ चिदानद बहोत्तरी - श्री चिदानदजी म सा पद ३
६३ बृहत् नवतत्त्व सग्रह अन्यत्व भावना पृ १६२
६४ पुद्गल गीता श्री चिदानदजी म सा श्लोक-१७
६५ सवैया इकतीसा श्री चिदानदजी म सा श्लोक-५
६६ उपदेश बावनी श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा श्लोक-१५
६७-६९ चिदानद बहोत्तरी - श्री चिदानदजी म सा -पद-१५-६५
६८ चतुर्विंशति जिन स्तवन - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -स्त १३
७० चतुर्विंशति जिन स्तवन - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -स्त १४

७१ चिदानद पदावली (श्री नेमिनाथ स्तवन) श्री चिदानदजी म सा -पद-६४
७२,७४ आत्मविलास स्तवनावली - श्रीमद्विजयानंद सुरीश्वरजी म सा पृ ८०-८१/पृ ८६
७३ चिदानद पदावली - श्री चिदानदजी म सा पद-१
७५ श्री चिदानद बहोत्तरी - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म पद ७१
७६ श्री आत्म विलास स्तवनावली श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -पृ १०३
७७ हिन्दी साहित्यका इतिहास-आ श्री रामचद्र शुक्ल-पृ १२२ से १२४
७८ कलिकाल कल्पतरु - श्री जवाहरचद्र पटनी - पृ २५४
७९ हिन्दी साहित्यका इतिहास डॉ नगेन्द्र
८० कवितावली - उत्तरकाड–५७–श्री तुलसीदासजी
८१ तुलसी आधुनिक वातायनसे - डॉ रमेश कुतल मेघ-पृ १२२
८२ हिन्दी साहित्यका इतिहास - डॉ नगेन्द्र पृ.२०४
८३,८४ तुलसी आधुनिक वातायनसे-डॉ रमेश कुतल मेघ-पृ १२५/पृ १२७
८५ कवितावली - उत्तरकाड-२६–श्री तुलसीदासजी
८६,८७ आत्मविलास स्तवनावली-श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा -पृ ९०-९१/पृ ७४
८८ चतुर्विंशति जिन स्तवन श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म स्तवन-१३
८९,९० जै श्री आत्मानद ज श स्मा ग्रन्थ(श्रीविजयानंद सूरि और म दयानंद) पृथ्वीराजजी जैन-पृ ४६/पृ ४७ -
९१,९३ सत्यार्थ भास्कर भाग-२ ले स्वामी विद्यानंदजी सरस्वती–पृ ८२९/पृ.८२८
९२ ऋषि दयानदके पत्र और विज्ञापन स-३ भाग—२-पृ ८
९३A श्री विजयानंद सूरि और म दयानद - पृथ्वीराज जैन-पृ ८९
९४ हिन्दी साहित्यका इतिहास - आ रामचद्र शुक्ल - पृ ४४०
९५ न्या.जै.विजयानद सूरि-पृथ्वीराजजी जैन - पृ.८९से१००
९६ चतुर्विंशति जिन स्तवन - श्रीमद्विजयानंद सुरीश्वरजी म –स्तवन-३
९७ हिन्दी साहित्यका इतिहास-डॉ नगेन्द्र पृ ४७२
९८ भारतेन्दु ग्रन्थावली-(प्रेम तरग) भाग-२-भारतेन्दु हरिश्चद्रजी-पृ २०६
९९ भारतेन्दु ग्रन्थावली-(प्रेम प्रलाप) भाग-२-भारतेन्दु हरिश्चद्रजी-पृ २७६
१०० जैनधर्म विषयक प्रश्नोत्तर - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा प्र न १११
१०१ आत्मविलास स्तवनावली - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा पृ ७७
१०२ द्वादश भावना सज्झाय सग्रह - श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म सा धर्मभावना-१-२
१०३. भारतेन्दु ग्रन्थावली (हिन्दीकी उन्नति)-भाग-२-भारतेन्दु हरिश्चद्रजी-पृ ७३१
१०४ श्री आत्मानद ज श स्मा ग्रन्थ-हिन्दी विभाग-पृ ४-५

पर्व नवम् - उपसंहार

१ श्री विजयानद सुरीश्वरजी स्तवनम् - मुनि श्री चतुरविजयजी म सा - श्लोक-२
२ प्रभावक ज्योतिर्धर जैनाचार्यो- प लालचद्र गाधी-पृ ९८
३ न्या श्री विजयानद सूरि–श्रीसुशील - पृ ३२
४ आत्मचरित्र (उर्दू) लाला बाबूरामजी जैन - पृ २७६
६ अष्ट प्रकारी पूजा श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म -पूजा-४
७ आत्मविलास स्तवनावलि श्रीमद्विजयानद सुरीश्वरजी म
८ समर्पित शासन सेवक–श्री आशिष कुमार जैन - पृ ३५१
९ श्री भक्तामर स्तोत्र (पादपूर्ति) प हीरालालजी श्लोक-४